Regarding urgent needs of hospitals in the remote districts of Uttarakhand bordering international borders

श्री अजय भट्ट **(**नैनीताल-ऊधमसिंह नगर**) :** सभापति महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे अपने क्षेत्र की बहुत महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बोलने का अवसर दिया है ।

महोदया, माननीय प्रधानमंत्री राहत कोष से सहायता पाने हेतु पूरे उत्तराखंड प्रदेश में मात्र एक हॉस्पिटल है, जो कि देहरादून में है ।

मान्यवर, बागेश्वर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, चम्पावत, ये ऐसी जगहें हैं, जहां से वहां जाने में कम से कम 17-18 घंटे लगते हैं । जो हमारी विदेशी सीमाएं हैं, उनसे लगे कुछ गांव हैं, जैसे कुटी, नाभी, रोकन, गुंजी, नपाचल्लू, गरब्यांग, बूंदी, कौलिजॉन्ग यानी कि आदि कैलाश । यहां से आने में भी 17-18 घंटे लगते हैं ।

अत: मेरा आपके माध्यम से सरकार से एक विनम्र अनुरोध है । मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि एक और हॉस्पिटल कुमांयू क्षेत्र में हलद्वानी या रुद्रपुर क्षेत्र में जांच कराने के बाद खोल दिया जाए । काफी हॉस्पिटल्स वहां पर हैं । कौन होगा, इसके बारे में मुझे नहीं कहना है, लेकिन जिसे सरकार उचित समझे, उसको खोल दिया जाए ।

धन्यवाद ।